बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

अलविदा फिरौन!

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest; Alastair Paterson
रूपान्तरकार: Lyn Doerksen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

फिरौन बहुत गुस्से में था! मूसा के माध्यम से परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी थी कि इस्राएली गुलामों को मिस्र में से वह जाने दे। पर उसने इससे मना कर दिया।

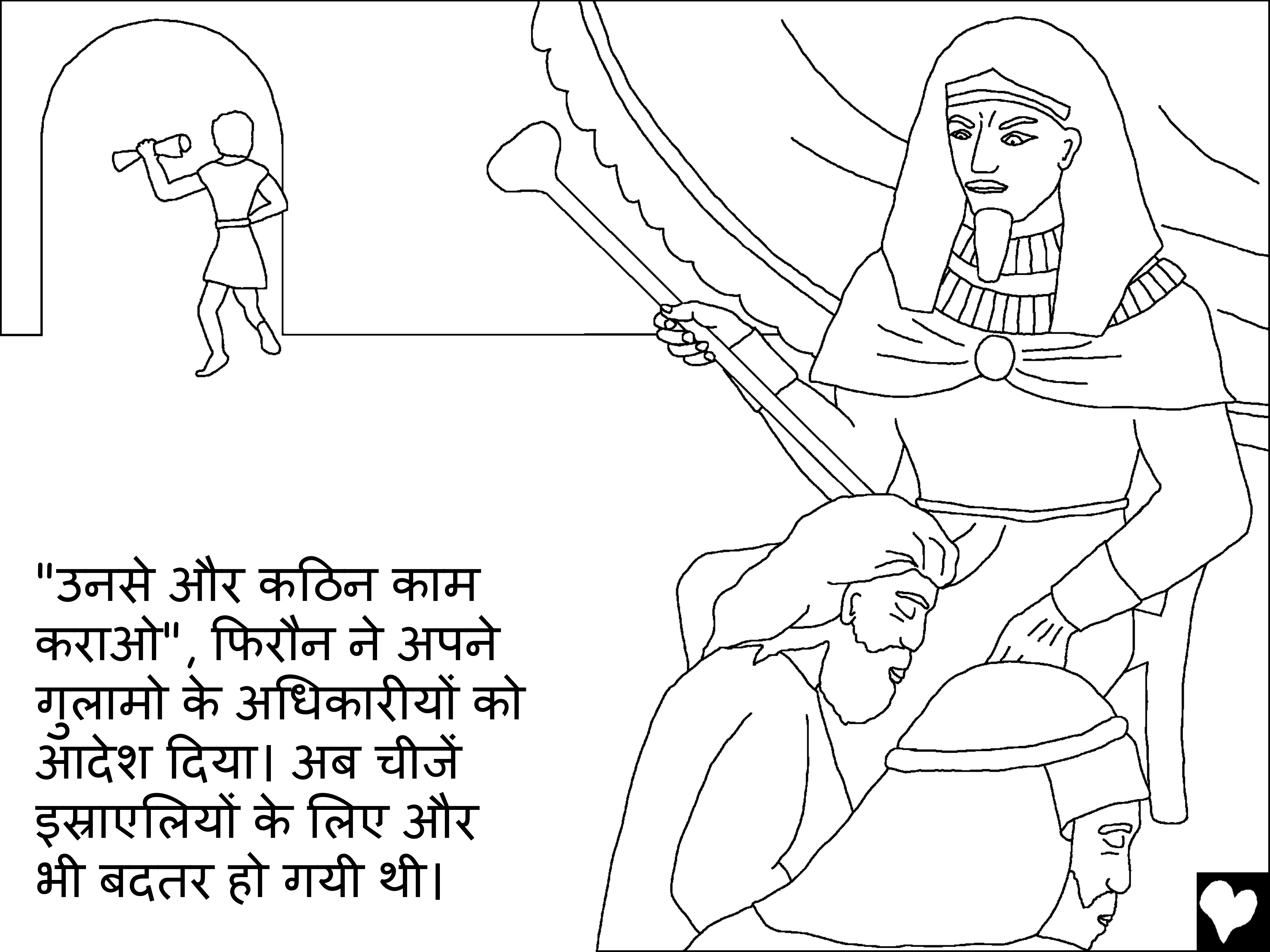

"उनसे और कठिन काम कराओ", फिरौन ने अपने गुलामो के अधिकारीयों को आदेश दिया। अब चीजें इस्राएलियों के लिए और भी बदतर हो गयी थी।

"खुद से पुआल इकट्ठा करो। अब हम इसे उपलब्ध नहीं कराएंगे। लेकिन ईंटे उतनी ही संख्या में बननी चाहिए।" ये सब उस फिरौन के नए आदेश थे।

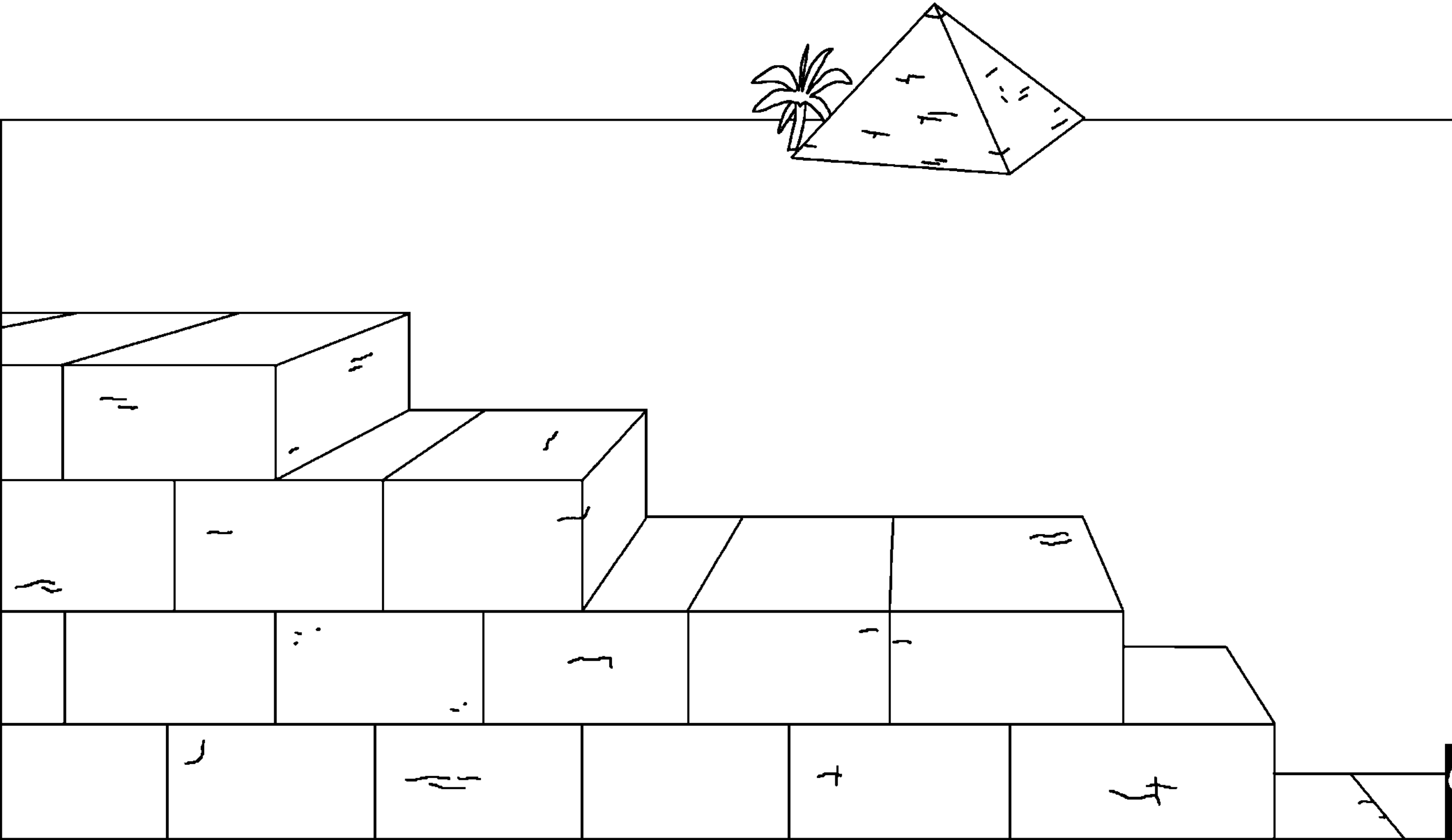

कुछ गुलामो के पास पुआल इकट्ठा करने और उतना ही संख्या में ईंटे बनाने के लिए पर्याप्त समय नहीं था,

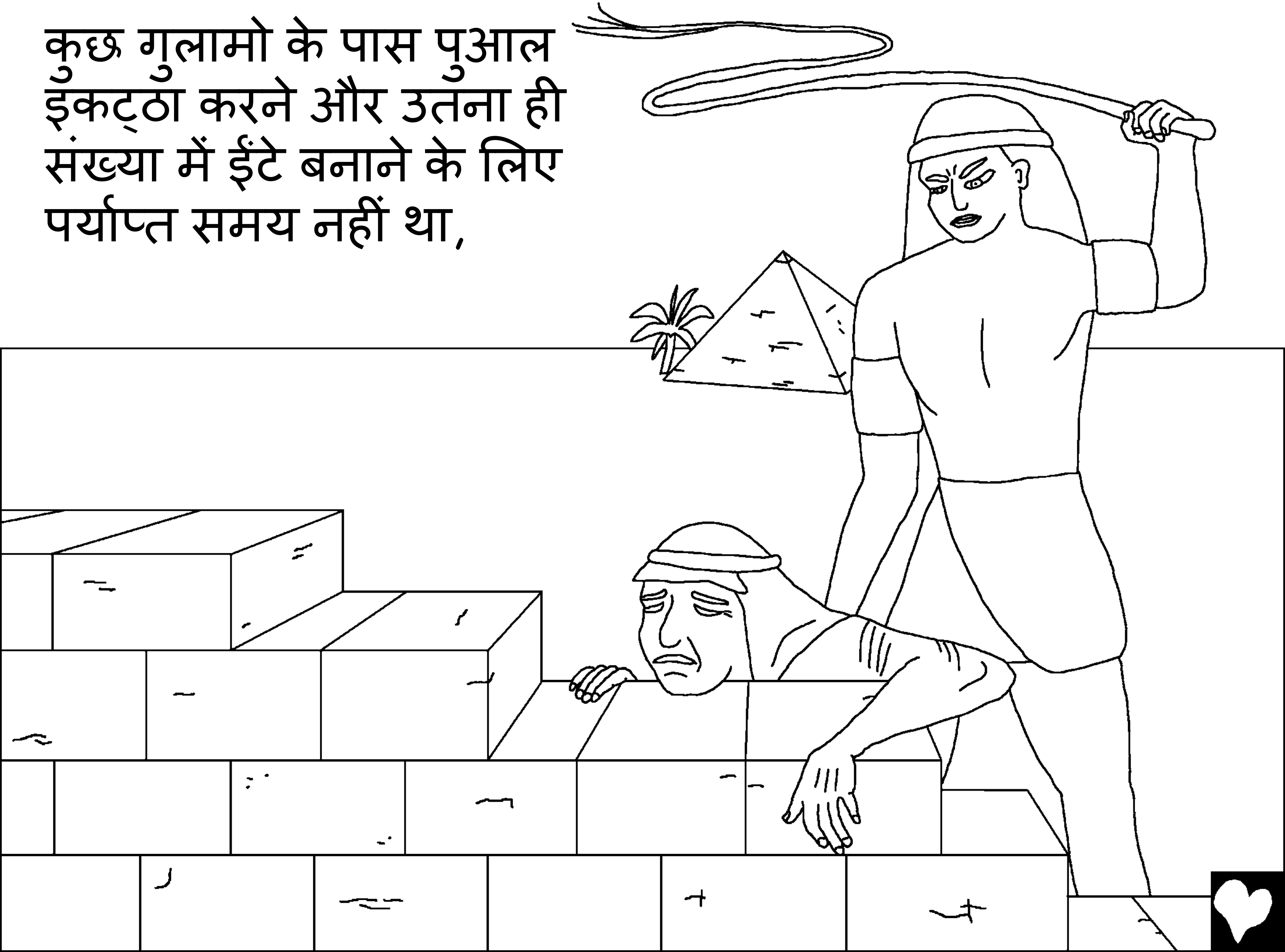

लोगों ने अपनी इस परेशानियों के लिए मूसा और हारून को दोषी ठहराया। मूसा को प्रार्थना करने की एक जगह मिली। उसने कहा, "हे परमेश्वर तुमने अपने लोगों को तो बिल्कुल ही नहीं बचाया

है" वह रोया परमेश्वर ने जवाब दिया, "मैं यहोवा हूं, और मैं तुम्हे निकाल कर बाहर लाऊंगा।"

फिर परमेश्वर ने मूसा और हारून को फिरौन के पास वापस भेजा। जब शक्तिशाली शासक ने परमेश्वर के सेवकों से एक चिंन्ह के लिए कहा,

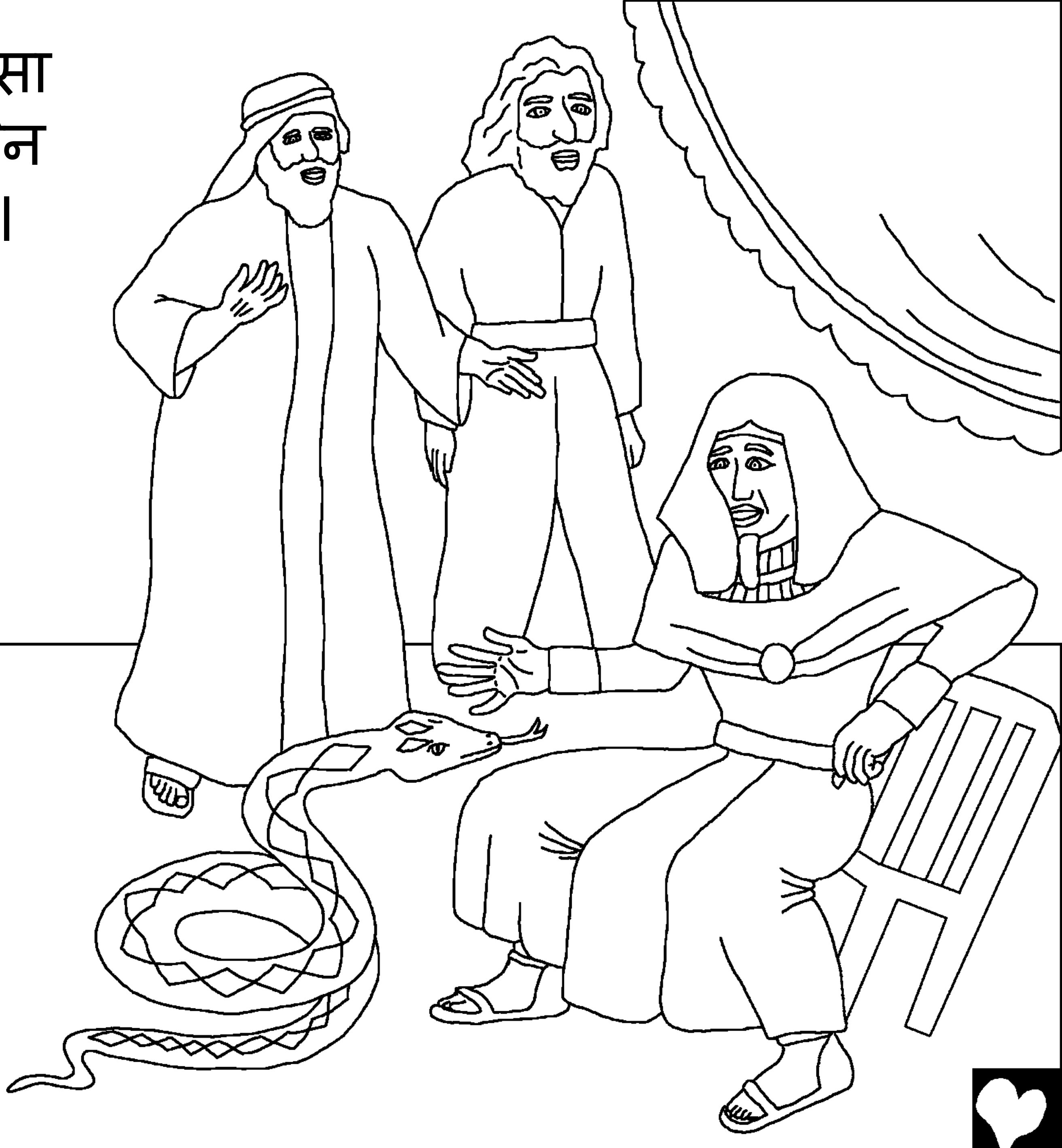

तब हारून की छड़ी एक रेंगते हुवे साँप में बदल गयी।

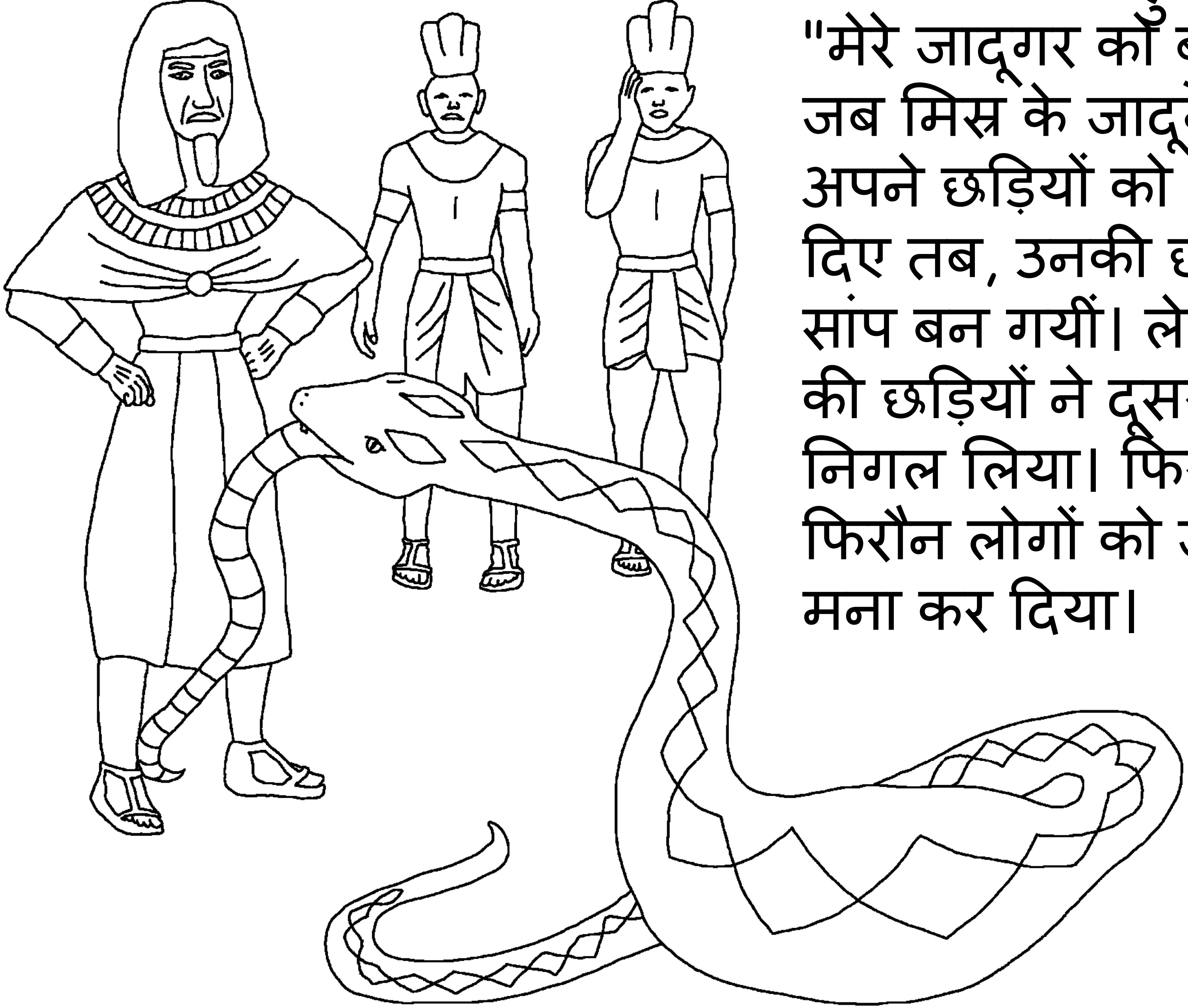

फिरौन गरजते हुए आज्ञा दी, "मेरे जादूगर को बुलाओ" जब मिस्र के जादूगरों ने अपने छड़ियों को नीचे डाल दिए तब, उनकी छड़ियां भी सांप बन गयीं। लेकिन हारून की छड़ियों ने दूसरों को निगल लिया। फिर भी, फिरौन लोगों को जाने से मना कर दिया।

अगली सुबह, मूसा और हारून नदी के किनारे फिरौन से मुलाकात की। जब हारून अपनी छड़ी को बाहर की ओर निकला तब, परमेश्वर ने पानी को रक्त में बदल दिया। सारी मछलियां मरने लगी! लोग इस पानी को पी नहीं सकते थे!

लेकिन फिरौन अपने मन को कठोर किया। उसने इस्राएलियों को मिस्र छोड़ कर जाने नहीं दिया।

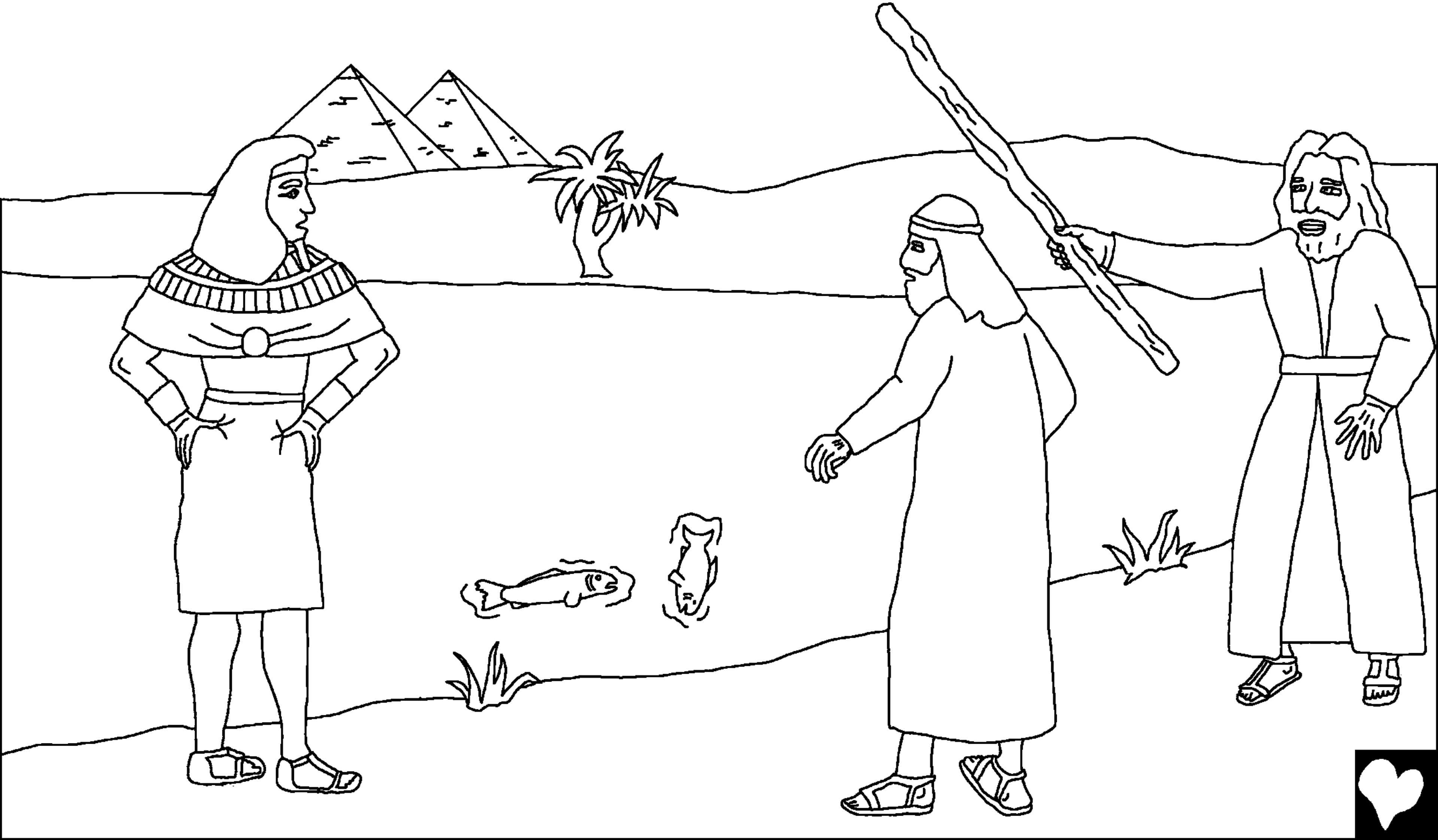

फिर मूसा ने
फिरौन से कहा
कि परमेश्वर के
लोगों को जाने
दो। फिरौन फिर
इन्कार कर दिया।
परमेश्वर एक और
महामारी भेजा।
पूरा मिस्त्र मेंढ़कों से
भर गया। हर घर,
हर कमरे में, यहां
तक कि खाना
पकाने वाले कठौती
में भी मेंढक
भर गये!

"प्रार्थन करो की परमेश्वर इन मेंढकों को हमसे दूर करे," फिरौन ने निवेदन की "और कहा मैं तुम्हारे लोगों को जाने दूंगा।" जब, मेंढ़क चले गये, तब फिरौन का मन बदल गया। मैं दासों को मुक्त नहीं करूंगा।

तब परमेश्वर ने अरबों की संख्या में छोटे कीड़ों, कुटकियों को भेजा। हर व्यक्ति और जानवर उनके काटने से खुजली की। लेकिन फिरौन तौभी परमेश्वर के लिए लोगों को नहीं छोड़ा।

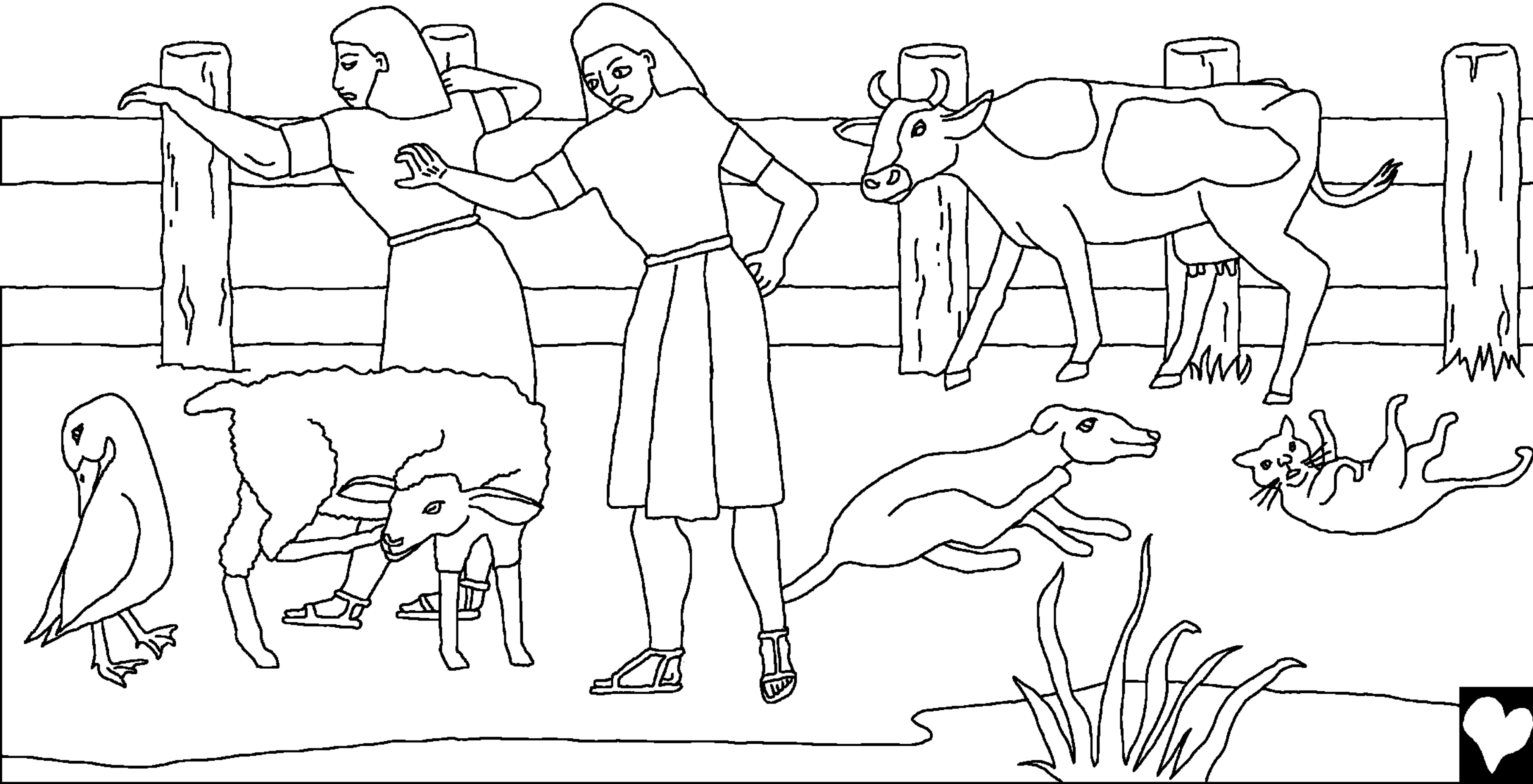

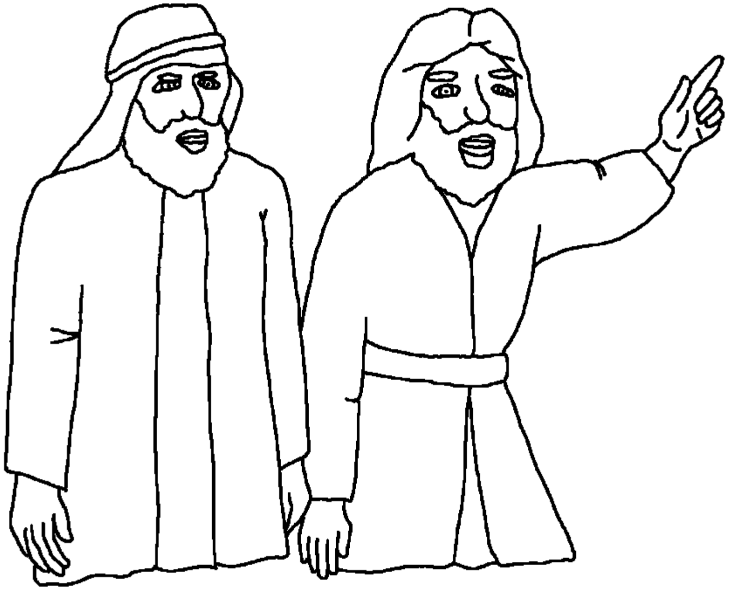

फिर परमेश्वर ने उनमें मक्खियों
के झुण्ड को भेजा। परमेश्वर
मिस्त्रियों के 'पशुओं को मारने
के लिए रोग भेजा। परमेश्वर
दर्दनाक फोड़े भेजा। लोग
दर्दनाक दुःख सहे फिर
भी फिरौन परमेश्वर
का विरोध किया।

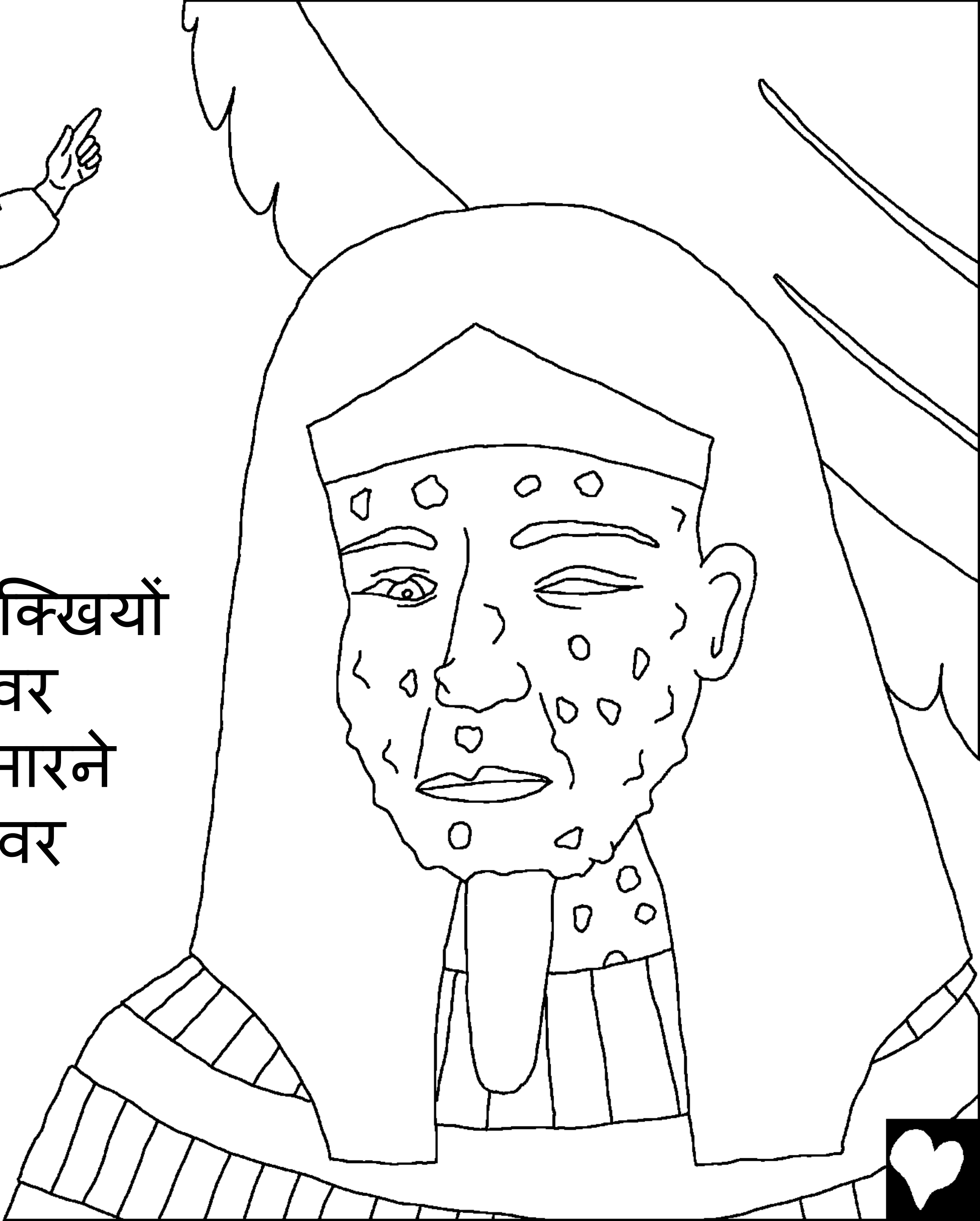

दर्दनाक फोड़े की विपत्ति के बाद, परमेश्वर टिड्डियों की झुण्डों को भेजा। टिड्डियों ने पूरे देश में हर हरे पौधों को खा लिया।

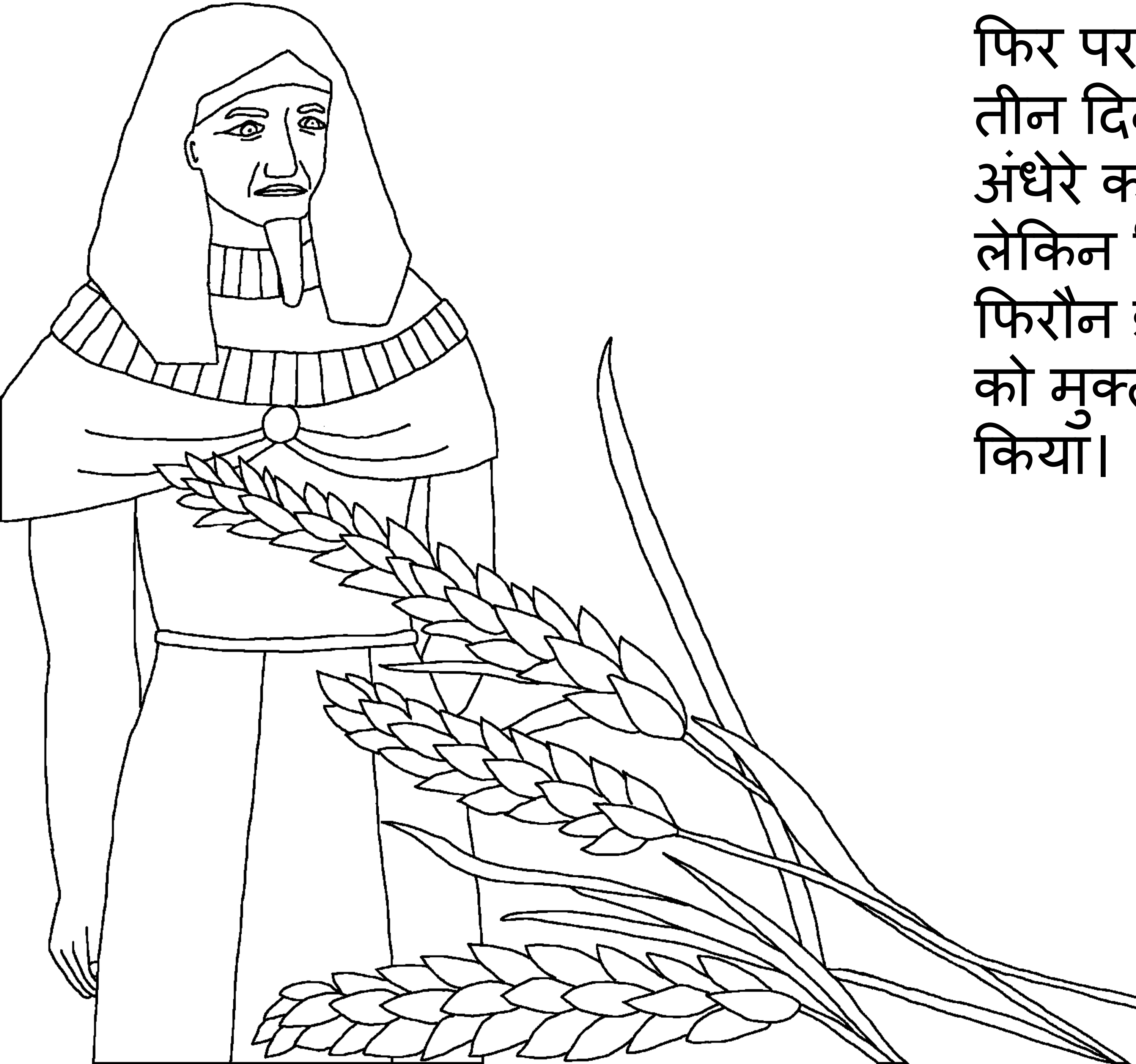

फिर परमेश्वर ने
तीन दिन के घनघोर
अंधेरे को भेजा।
लेकिन जिद्‍दी
फिरौन इस्राएलियों
को मुक्त नहीं
किया।

परमेश्वर ने चेतावनी दी, "मैं एक और महामारी भेजूँगा लगभग आधी रात में, आदमी और जानवरों के सब पहिलौंठे मारेजाएंगे।" परमेश्वर इस्राएलियों से कहा, अगर वे अपने घर के चौकठों पर मेमने का लहू लगाएंगे तो उनके पहिलौंठे बच जायेंगे।

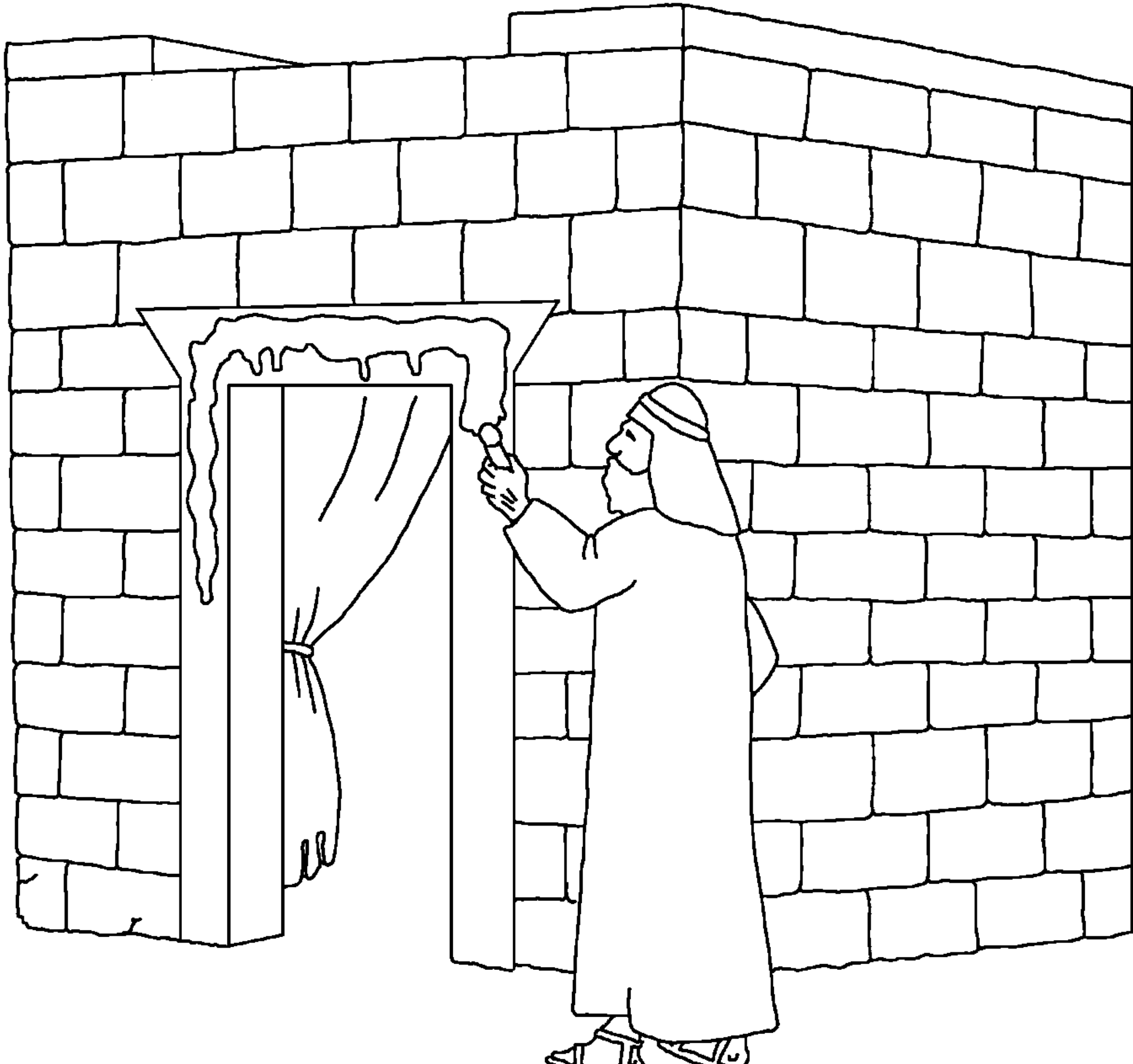

लगभग आधी रात को, एक महान विलाप मिस्र में शुरू हुआ। मौत ने दस्तक दी। हर घर में कम से कम एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी।

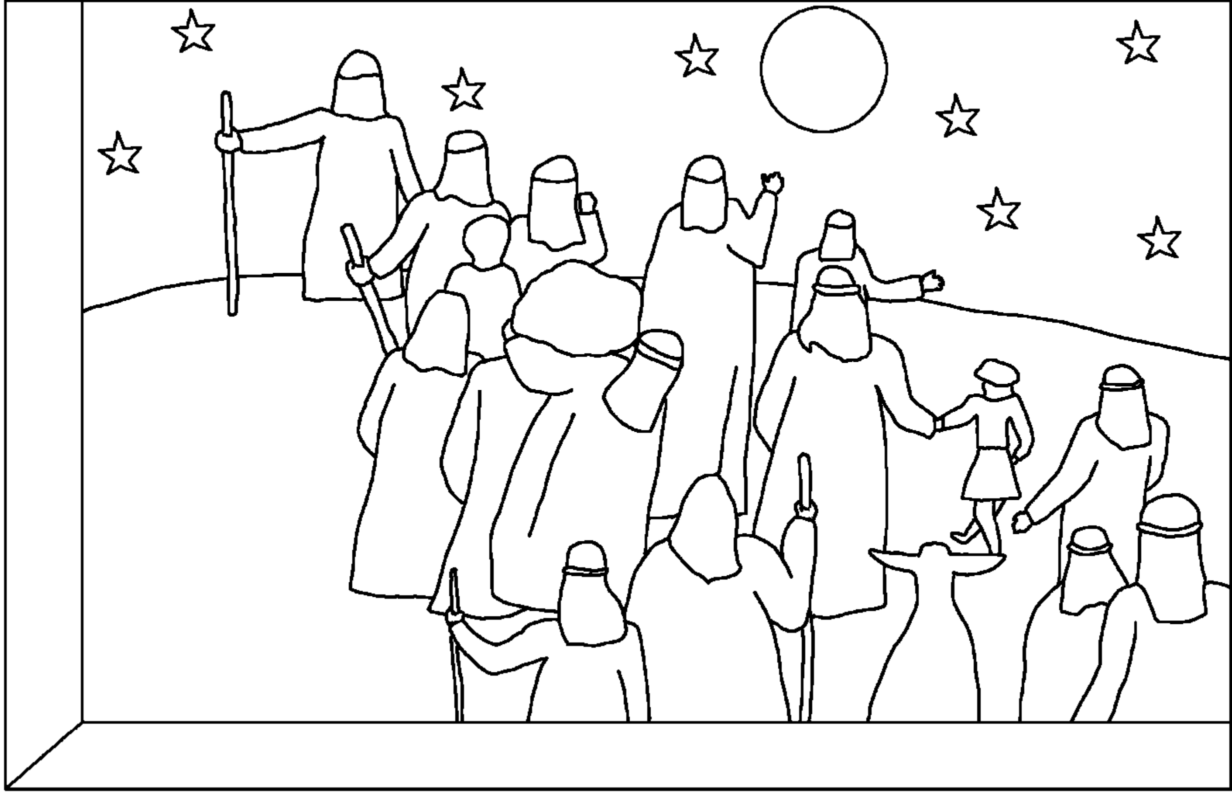

"यहाँ से दूर चले जाओ," फिरौन ने मूसा से विनती की। "अपने प्रभु की सेवा के लिए" जाओ, जल्दी से, परमेश्वर के लोगों ने मिस्र की सीमा से बहार कूच किया।

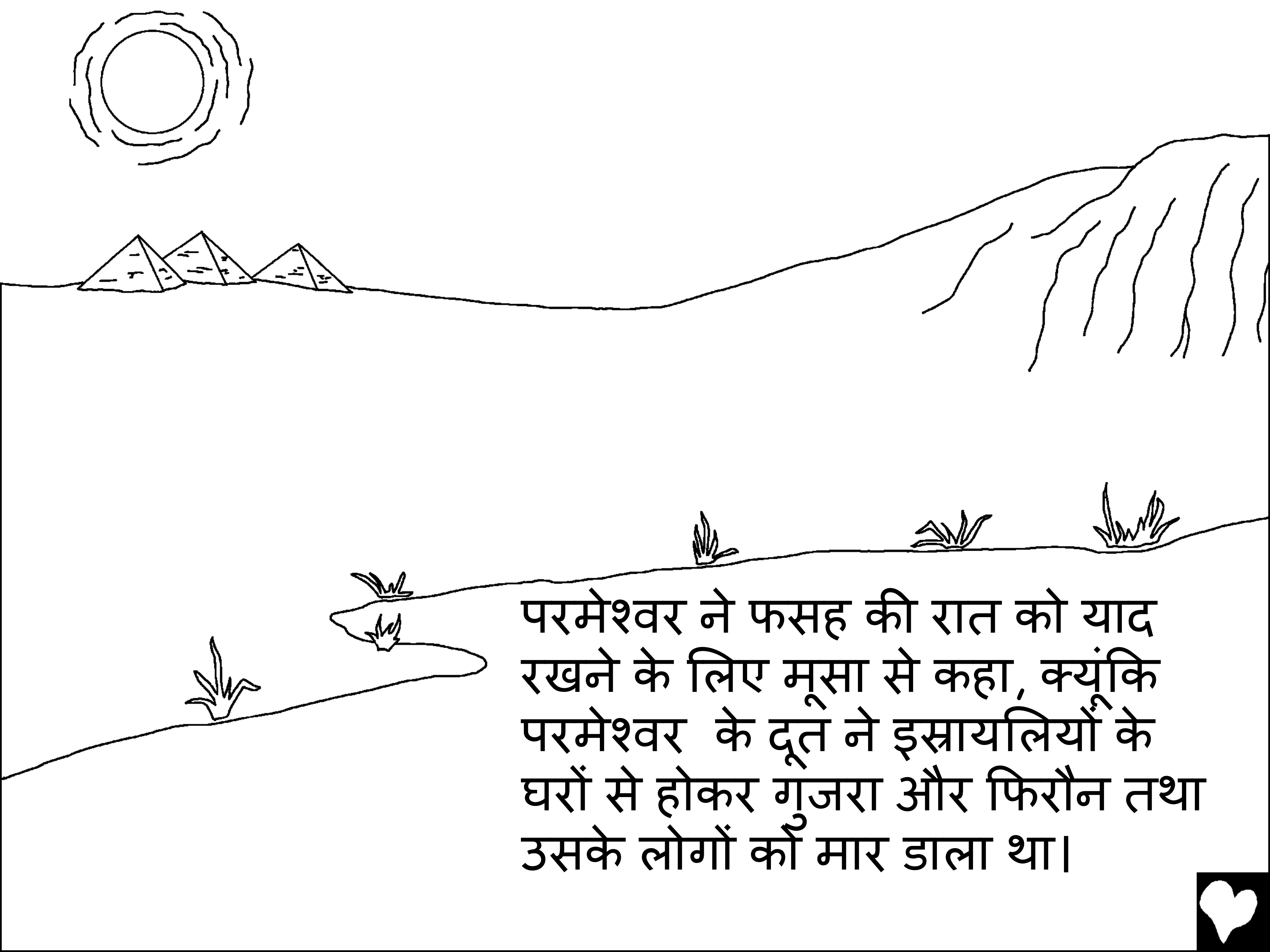

परमेश्वर ने फसह की रात को याद रखने के लिए मूसा से कहा, क्यूंकि परमेश्वर के दूत ने इस्रायलियों के घरों से होकर गुजरा और फिरौन तथा उसके लोगों को मार डाला था।

मिस्र में 430 वर्ष बिताने के बाद, परमेश्वर के लोग अब आज़ाद थे। परमेश्वर दिन में बादल के खम्भे, और रात में आग के खम्भे के रूप में होकर उनका नेतृत्व किया।

लेकिन फिरौन इस्राएलियों के साथ यहीं तक सीमित नहीं रहा। फिर से, वह परमेश्वर को भूल गया। फिर से, उसने अपना मन बदल लिया। उसकी सेना को इकट्ठा कर दासों के पीछे चल दिया। जल्द ही, वह चट्टानों और समुद्र के बीच उन्हें फंसा पाया।

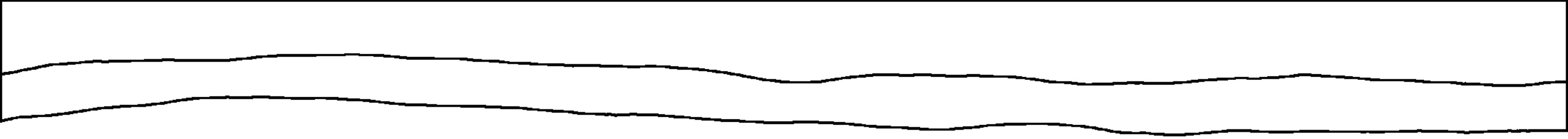

मूसा ने कहा, "यहोवा तुम्हारे लिए खुद
ही लड़ेगा" मूसा पानी के किनारे आगे गया,
और अपने हाथो को फैलाया।

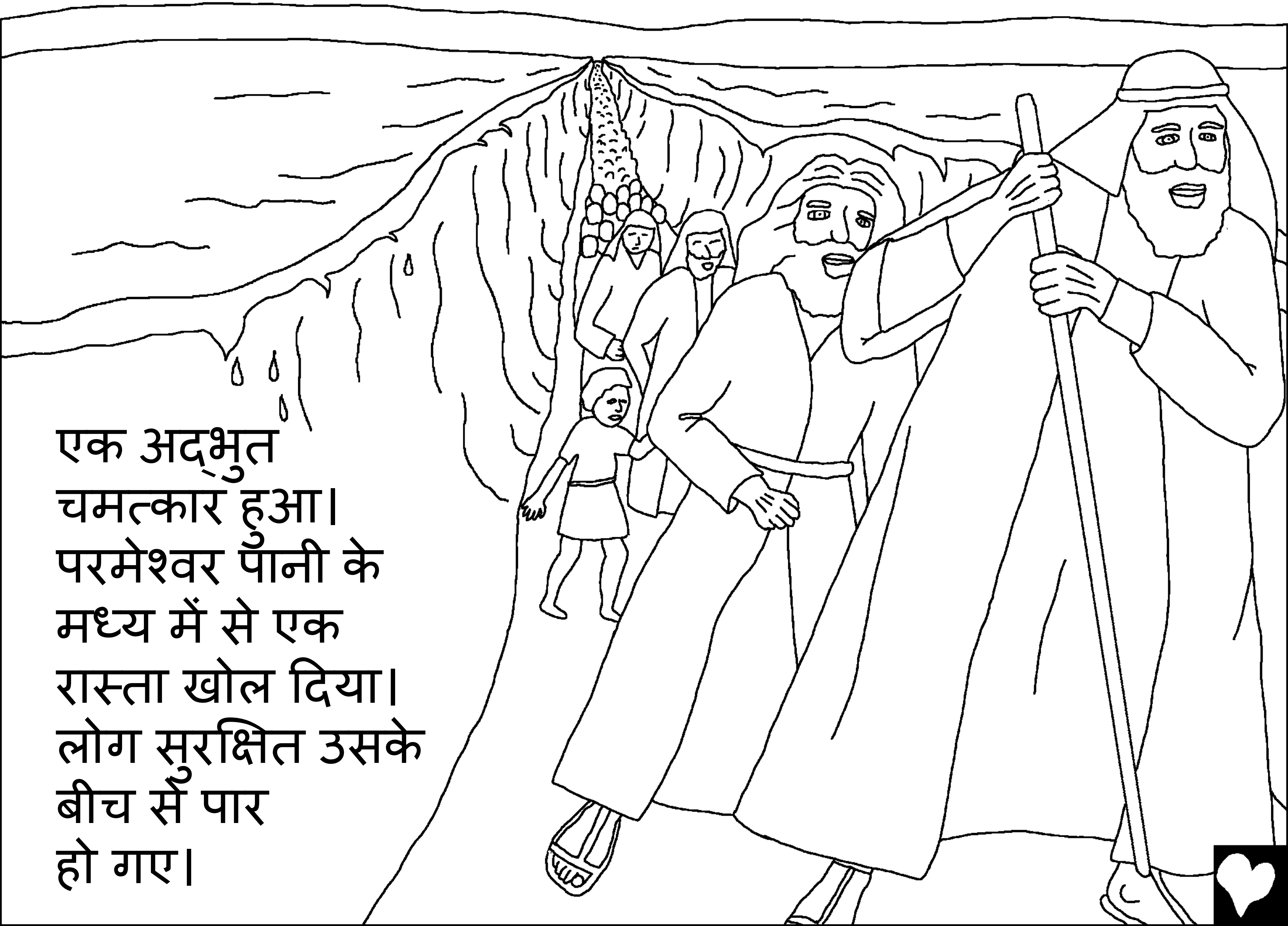

एक अद्भुत
चमत्कार हुआ।
परमेश्वर पानी के
मध्य में से एक
रास्ता खोल दिया।
लोग सुरक्षित उसके
बीच से पार
हो गए।

तब फिरौन की सेना लाल सागर में प्रवेश की। सैनिकों ने सोचा, "अब हम उन्हें पकड़ लेंगे।" लेकिन परमेश्वर ने पानी को पुनः एक सा कर दिया। मानो मिस्र के शक्तिशाली सेना को समुद्र निगल लिया। अब फिरौन जान लिया की विलाप का परमेश्वर सब का परमेश्वर है।

अलविदा फिरौन!

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

निर्गमन 4-15

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्‌भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16